हिन्दी-गौरव-ग्रंथमाला ४६वाँ ग्रंथ

कबीर का रहस्यवाद

[कबीर के दार्शनिक विचारों का
गम्भीर विवेचन]

लेखक
श्रीरामकुमार वर्मा एम्० ए०
हिन्दी विभाग,
प्रयाग विश्वविद्यालय
प्रयाग

प्रकाशक
साहित्य-भवन लिमिटेड,
इलाहाबाद

दूसरी बार
फ़रवरी १९३७